!! ॐ !!

Syllabus of Sanskrit

(Course Structure for Pre-Ph.D. Course Work Sanskrit, RMPS University, Aligarh in Accordance with Guidelines of NEP – 2020)

As approved by-

Bord of studies for Sanskrit RMPS University, Aligarh

-: Convener :-
Prof. Devendra kumar
Shri Varshney College, Aligarh

Scanned with OKEN Scanner

DOCTOR OF PHILOSOPHY (PH.D.)

SIX MONTH PROGRAMME

1.1. पाठ्यक्रम:- प्रथम

अनुसंधान एवं प्रकाशन नैतिकता

(Research Publication Ethics)

यूनिट-04 क्रेडिट-02 समय - 30 घंटे

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

अनुसंधान एवं प्रकाशन नैतिकता (RPE) पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शोधार्थियों में नैतिक, उत्तरदायी एवं गुणवत्तापूर्ण शोध-दृष्टि का विकास करना है। इस पाठ्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

शोध में नैतिक मूल्यों की समझ विकसित करना। जैसे- सत्यनिष्ठा (Integrity), ईमानदारी (Honesty) तथा उत्तरदायित्व (Responsibility) के महत्व से परिचित कराना। वैज्ञानिक आचरण (Scientific Conduct) का ज्ञान देना, शोध-दुराचार (Research Misconduct) से अवगत कराना जैसे- शोधार्थियों को Fabrication (मनगढ़ंत आँकड़े), Falsification (तथ्यों में हेरफेर) तथा Plagiarism (साहित्यिक चोरी) जैसे अनैतिक कृत्यों की पहचान एवं उनसे बचाव का ज्ञान देना, प्रकाशन नैतिकता (Publication Ethics) की समझ विकसित करना, अनैतिक प्रकाशन व्यवहार की पहचान कराना जैसे- Predatory Journals, Duplicate Publication, Salami Slicing, Data Manipulation आदि अनैतिक प्रकाशन व्यवहारों की पहचान करना और उनसे बचने की क्षमता विकसित करना। शोध-स्रोतों एवं डेटाबेस का परिचय देना- शोधार्थियों को Indexing Databases, Citation Databases, Open Access Resources तथा Academic Search Tools (जैसे Scopus, Web of Science, Google Scholar आदि) का उपयोग सिखाना। शोध-मूल्यांकन मापदण्डों का ज्ञान देना- Citation, h-index, Impact Factor, i10-index जैसे शोध-मूल्यांकन संकेतकों (Research Metrics) की समझ विकसित करना। गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय शोध को प्रोत्साहित करना, उत्तरदायी शोधकर्ता का निर्माण करना, वैश्विक शोध-मानकों से परिचित कराना- COPE, WAME, UGC-CARE जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन मानकों और दिशानिर्देशों से शोधार्थियों को परिचित कराना।

सीखने के परिणाम:-

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्र निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे-

Sandhya 26-05-2026

शोध सत्यनिष्ठा और नैतिकता की अवधारणाओं की व्याख्या करना। शोध प्रकाशनों में अनैतिक प्रथाओं की पहचान करना। पत्रिकाओं और सम्मेलनों का नैतिक रूप से मूल्यांकन करें। जिम्मेदार लेखकत्व प्रदर्शित करना तथा छात्र संस्कृत अनुसंधान में सहयोग हेतु उपयुक्त डिजिटल उपकरणों के चयन और उपयोग में निपुण होंगे, जिनमें डिजिटल संग्रहों और डेटाबेस तक पहुंच और उनका प्रबंधन शामिल है। वे संस्कृत ग्रंथों के रूपात्मक विश्लेषण करेंगे। शिक्षार्थी पाठ डिजिटलीकरण प्रक्रियाओं को करने और भारतीय लिपियों के लिए अनुकूलित ओसीआर तकनीकों को समझने में सक्षम होंगे, जिससे उच्च गुणवत्ता वाला डेटा सुनिश्चित होगा। वे व्याख्यात्मक सटीकता और अनुसंधान उत्पादकता में सुधार करते हुए, व्याख्यात्मक टिप्पणियों, पाठ आलोचना और अर्थ संबंधी अनुक्रमण के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का प्रभावी ढंग से उपयोग करेंगे। छात्र संस्कृत अध्ययन में डिजिटल उपकरणों की सीमाओं और नैतिक पहलुओं का भी आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करने की क्षमता उन्हें संस्कृत विद्वता में नवोन्मेषी योगदान देने में सक्षम बनाएगी। इसके अलावा, वे पांडुलिपि संरक्षण, विश्लेषण और प्रसार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाली सहयोगी परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए तैयार होंगे, जिससे संस्कृत डिजिटल मानविकी के क्षेत्र को आगे बढ़ाया जा सके।

यूनिट- I

अनुसंधान नैतिकता और सत्यनिष्ठा

अनुसंधान नीतिशास्त्र का अर्थ, अनुसंधान में नैतिक आचरण का महत्व,

मूल मूल्य: ईमानदारी, निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा, जवाबदेही, शैक्षणिक और वैज्ञानिक अनुसंधान में नैतिकता,

नैतिक दुविधाओं पर केस स्टडी, अनावश्यक प्रकाशन - दोहराए गए और अतिव्यापी प्रकाशन,

चुनिदा रिपोर्टिंग और आंकड़ों का गलत प्रस्तुतीकरण।

यूनिट- II

प्रकाशन नैतिकता

प्रकाशन नैतिकता की परिभाषा और महत्व,

लेखकत्व के लिए मानदंड, लेखक की जिम्मेदारियाँ,

लेखन में नैतिक मुद्दे, हितों का टकराव

Schelly 26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

यूनिट- III

अनुसंधान के लिए कम्प्यूटेशनल उपकरण

संपादन उपकरण: वर्ड प्रोसेसर (एमएस वर्ड, गूगल डॉक्स), डिजिटलीकरण तकनीकें: देवनागरी के लिए टाइपिंग उपकरण, ओसीआर अनुप्रयोग, उद्धरण उपकरण: मेंडेले, ज़ोटेरो, एंडनोट, रेफ़वर्क्स, बिबटेक्स (लाटेक्स के साथ उपयोग के लिए) ।

पैराफ्रेज़िंग टूल्स: क्विलबॉट, ग्रामरली पैराफ्रेज़िंग टूल, पेपरपाल, रेफ-एन-राइट, Paraphraser.io, स्क्रिबर, पैराफ्रेज़िंग टूल, राइटफुल, ऐथोर।

Cfficeomparer टूल्स: Diffchecker, Draftable, Text Compare, Litera Compare, Online Text Compare, OQuick Diff

संस्कृत अनुसंधान के लिए ग्रंथसूची उपकरण और संदर्भ प्रबंधन सॉफ़्टवेयर (मेंडेले, ज़ोटेरो)

इकाई- IV

संस्कृत लिप्यंतरण और उपकरण

संस्कृत लिप्यंतरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय वर्णमाला (आईएएसटी)

ओपन एक्सेस प्रकाशन: जर्नल खोजक और जर्नल सुझाव उपकरण जैसे कि **JANE, Elsevier Journal Finder, Springer Journal Suggester,** आदि। डेटाबेस और अनुसंधान मेट्रिक्स: डेटाबेस अनुक्रमण संदर्भ,स्कोपस आदि। जर्नल साइटेशन रिपोर्ट, एसएनआईपी, एसजेआर, आईपीपी, साइट स्कोर के अनुसार जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टरमापदंड: एच इंडेक्स, जी इंडेक्स, 110-इंडेक्स, ऑल्टमेट्रिक्स।

अनुसंधान कदाचार(Research misconduct)- साहित्यिक चोरी, स्व-साहित्यिक चोरी, मनगढ़ंत बातें और जालसाजी, डुप्लिकेट प्रकाशन, डेटा हेरफेर, उद्धरण हेरफेर, सीओपीई दिशानिर्देश, कागजात वापस लेना, ओपन एक्सेस पत्रिकाओं का नैतिक उपयोग, अनैतिक प्रथाओं के परिणाम, नैतिक प्रकाशन के लिए उपकरण:, टर्निटिन, उर्कुंड, ड्रिलबिट और अन्य ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर टूल्स जैसे साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर।, कॉपीराइट, क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस, डेटा साझाकरण और पुनरुत्पादन क्षमता, यूजीसी साहित्यिक चोरी विनियम

Scanned with OKEN Scanner

Reference -

१. बर्ड, ए. (2006). फिलॉसफी ऑफ साइंस, राउटलैज

२. मैकइंटायर, एलास्डेयर (1967) अ-शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ एथिक्स, लंदन

३. पी. चड्ढा (2018) एथिक्स इन कॉम्पिटिटिव रिसर्च: डू नॉट गेट सोप्ड: डू नॉट गेट प्लेजराइज्ड, **ISBN:** 978-9387480865

४. नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़, नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिसिन. (2009). ऑन बीइंग अ-साइंटिस्ट: अ-गाइड टू रिस्पॉन्सिबल कंडक्ट इन रिसर्च: थर्ड एडिशन. नेशनल एकेडमीज़ प्रेस।

५. रेसनिक, डी. बी. (2011). व्हाट इज एथिक्स इन रिसर्च & व्हाय इज इट इम्पॉर्टेंट. नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एनवायरनमेंटल हेल्थ साइंसेज़, 1-10.रिट्रीव्ड फ्रॉम

https://www.niehs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfm

६. बील, जे. (2012). प्रीडेटरी पब्लिशर्स आर करप्टिंग ओपन एक्सेस. नेचर, 489(7415), 179-179. **https://doi.org/**10.1038/489179a

७. इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (**INSA**), एथिक्स इन साइंस एजुकेशन, रिसर्च एंड गवर्नेंस (2019), **ISBN:** 978-81-939482-1-7. **http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics**

८. एबॉट, सी. (2009). एमएलए स्टाइल मैनुअल एंड गाइड टू स्कॉलरली पब्लिशिंग।

९. डी ई, डी. टी. (2010). माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2010।

१०.गिबाल्डी, जे. (2008). एमएलए स्टाइल मैनुअल एंड गाइड टू स्कॉलरली पब्लिशिंग (नं. C10 45)।

११ . गाइड, एम. एस. शिकागो स्टाइल गाइड।

१२. फ्लेचर, जी., & ग्रीनहिल, ए. (1995, नवंबर). अकैडमिक रेफरेंसिंग ऑफ इंटरनेट-बेस्ड रिसोर्सेज। इन असलिब प्रोसीडिंग्स (वॉल्यूम 47, नं. 11/12, पेज 245-252). एमसीबी यूपी लिमिटेड।

१३ . **http://www.baraha.com/**

१४. **http://www.chicagomanualofstyle.org/home.html**

१५. **http://www.citethisforme.com/guides**

१६. **https://owl.english.purdue.edu/owl/resource/**747/01/

26-5-2026

Scanned with OKEN Scanner

1.2 पाठ्यक्रम:- द्वितीय

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

(Research Methodology Course)

यूनिट-04 **क्रेडिट-04** **समय- 60 घंटे**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

इस शोधपत्र का उद्देश्य संस्कृत अध्ययन के लिए विशेष रूप से तैयार की गई शोध पद्धति में उन्नत सिद्धांतों, दृष्टिकोणों और तकनीकों का गहन परिचय प्रदान करना है। अनुसंधान की मूल अवधारणा को समझाना है। इसका लक्ष्य छात्रों को शास्त्रीय और समकालीन दोनों पद्धतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम बनाना है, जिससे वे अकादमिक कठोरता के साथ नवीन परियोजनाओं को तैयार कर सकें। छात्र व्यवहार्य शोध समस्याओं की पहचान करना, शोध परिकल्पनाएँ तैयार करना और व्यवस्थित शोध रूपरेखाएँ बनाना सीखेंगे। पाठ्यक्रम में डिजिटल शोध उपकरण, **आईएएसटी** जैसे लिप्यंतरण के अंतर्राष्ट्रीय मानक और शोध डेटा और **मेटाडेटा** के प्रबंधन के सर्वोत्तम तरीकों का परिचय दिया जाएगा। शोध नैतिकता, साहित्यिक चोरी की रोकथाम, बौद्धिक संपदा अधिकार, पेटेंट प्रक्रियाएँ और **ओपन-एक्सेस** प्रकाशन पर भी जोर दिया जाएगा। संस्कृत शोध के वैश्विक परिदृश्य (**स्कोपस**, वेब ऑफ साइंस और यूजीसी-केयर सहित) का अध्ययन करके, शिक्षार्थी अकादमिक प्रकाशन में दक्षता हासिल करेंगे, पेशेवर शोध प्रोफाइल बनाएंगे और शोध प्रबंधों, शोध पत्रों और सम्मेलन प्रस्तुतियों के माध्यम से पेशेवर रूप से निष्कर्ष प्रस्तुत करेंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य ऐसे शोधकर्ताओं को तैयार करना है, जो पारंपरिक ज्ञान और अत्याधुनिक अनुसंधान प्रौद्योगिकी दोनों का उपयोग करके संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में प्रगति करने में सक्षम हों।

सीखने के परिणाम-

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्र निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे-

1. सफलतापूर्वक पूरा होने पर, छात्र संस्कृत अध्ययन में प्रकाशन योग्य गुणवत्ता की शोध परियोजनाओं की स्वतंत्र रूप से पहचान, अवधारणा और निष्पादन करने में सक्षम होंगे।

2. वे साहित्य की आलोचनात्मक समीक्षा करने, परिकल्पनाओं का निर्माण करने और प्राथमिक स्रोतों को संपादित और व्याख्या करने के लिए उन्नत पाठ्य आलोचना का उपयोग करने की क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

3.स्नातक पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, डेटाबेस खोज और **कम्प्यूटेशनल विश्लेषण** के लिए डिजिटल अनुसंधान उपकरणों के उपयोग में महारथ हासिल करेंगे।

Sahdlg
26.05.2026

Scanned with OKEN Scanner

4. वे उचित लिप्यंतरण, ग्रंथसूची उद्धरण और डिजिटल संदर्भों का उपयोग करते हुए अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक मानकों के अनुसार शोध प्रस्ताव, शोध प्रबंध और लेख तैयार करने में सक्षम होंगे।

5. यह पाठ्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि छात्र-शोध नैतिकता, कॉपीराइट और अकादमिक कार्यों पर लागू होने वाले सार्वजनिक अधिकार मानदंडों को समझें।

6. शिक्षार्थी वैश्विक अनुसंधान मंचों पर अपनी शैक्षणिक प्रोफाइल को प्रबंधित करने, धोखाधड़ी वाले जर्नलों से बचने और खुले शैक्षिक संसाधनों में योगदान करने में कुशल होंगे।

7. उनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने शोध का प्रसार करने, सहयोगी परियोजनाओं में भाग लेने और वैश्विक संस्कृत विद्वता के विकसित होते परिदृश्य में योगदान देने का आत्मविश्वास और क्षमता होगी, जिससे इस क्षेत्र में अकादमिक और व्यावसायिक उन्नति दोनों को समर्थन मिलेगा।

यूनिट- I

उन्नत सैद्धांतिक आधार और अनुसंधान डिजाइन

शोध के अर्थ, स्वरूप, प्रकार तथा उसके महत्व, संस्कृत में अनुसंधान की प्रकृति, कार्यक्षेत्र और दर्शन का अवलोकन, शोध के प्रकारों का आलोचनात्मक अन्वेषण: सैद्धांतिक, पाठ्य आधारित, ऐतिहासिक, व्याख्यात्मक, अंतःविषयक, नवोन्मेषी, शोध विधियों को समझना: गुणात्मक और मात्रात्मक, संस्कृत ग्रंथों और परंपराओं के अनुरूप शोध समस्याओं, परिकल्पनाओं और उद्देश्यों का निरूपण करना। शोध कार्य की रूपरेखा, विषय चयन और लेखन विधियाँ।

यूनिट- II

साहित्य का सर्वेक्षण

शोध में साहित्य समीक्षा का महत्व। शास्त्रीय और समकालीन संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण करने की तकनीकें। प्रासंगिक पांडुलिपियों, संस्करणों, आलोचनात्मक अध्ययनों और डिजिटल संसाधनों का पता लगाना। गूगल स्कॉलर, विकी, शोधगंगा, संस्कृत-शोधसिंधु (**https://cl.sanskrit.du.ac.in**), विभिन्न विश्वविद्यालय पुस्तकालयों और वेबसाइटों जैसे ग्रंथसूची उपकरणों, कैटलॉग और डेटाबेस का उपयोग। शोध में मौजूद कमियों की पहचान करने और शोध समस्या को प्रासंगिक संदर्भ में रखने के लिए एक ढांचा तैयार करना।

सामग्री संग्रह: प्राथमिक, द्वितीयक और ई-संसाधन तथा अनुसंधान उपकरण

26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

यूनिट- III

अनुसंधान सूत्रीकरण

डेटा संग्रह, कॉर्पस प्रबंधन, शैक्षणिक लेखन कौशल में सुधार: शोध पत्र, थीसिस और सेमिनार प्रस्तुतियों की तैयारी, सारांश: मुख्य समस्या, दृष्टिकोण, प्रमुख निष्कर्ष, प्रभाव या निष्कर्ष,

परिचय: पृष्ठभूमि, सारांश, मुख्य बिंदु, वर्तमान परिदृश्य, शोध अंतराल: समस्या,

परिकल्पना, शोध प्रश्न, अनुसंधान उद्देश्य, साहित्य की समीक्षा, साहित्य सर्वेक्षण (Review of Literature)

अनुसंधान पद्धति: डिजाइन, दृष्टिकोण, विश्लेषण, उपकरण, तंत्र, रूपरेखा: आपके अध्ययन का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांत/मॉडल, महता, निष्कर्ष, संदर्भ

यूनिट - IV

शोध लेखन और प्रस्तुति

शोध प्रबंध/थीसिस, शोध पत्र, पुस्तक समीक्षा, लेख और सेमिनार रिपोर्ट लिखने की पद्धतियाँ, शोधपत्रों के प्रकाशन और प्रस्तुति के लिए विभिन्न शोध पत्रिकाएँ और सम्मेलन, शोध प्रबंधों, शोध पत्रों और पुस्तक समीक्षाओं की संरचना, प्रस्तुतिकरण और लेखन कौशल विकास, प्रेजेंटेशन के महत्वपूर्ण बिंदु, प्रस्तुति के प्रकार, मौखिक, पावर प्वाइंट प्रस्तुति, माइक्रोसॉफ्ट पावर प्वाइंट का परिचय।

References-

1. क्रेसवेल, जॉन डब्ल्यू. रिसर्च डिजाइन: क्वालिटेटिव, क्वांटिटेटिव, एंड मिक्स्ड मेथड्स, अप्रोचेस।

2. बूथ, वेन सी., ग्रेगरी जी. कोलंब, जोसेफ.एम विलियम्स. द क्राफ्ट ऑफ रिसर्च।

3. श्रीनिवासन, अमृत. एडवांस्ड टेक्स्चुअल एनालिसिस इन संस्कृत स्टडीज।

4.एबॉट, सी. (2009). एमएलए स्टाइल मैनुअल एंड गाइड टू स्कॉलरली पब्लिशिंग।

5. डी ई, डी. टी. (2010). माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2010।

Sahallye
26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

6.इलियट, एम., बेल, डी., & वेल्च, जे. (2001). यू.एस. पेटेंट एप्लिकेशन नं. 09/937,789।

7.फ्लेचर, जी., & ग्रीनहिल, ए. (1995, नवंबर). अकैडमिक रेफरेंसिंग ऑफ इंटरनेट-बेस्ड रिसोर्सेज इन असलिब प्रोसीडिंग्स (वॉल्यूम 47, नं. 11/12, पेज 245-252). एमसीबी यूपी लिमिटेड.

8.गिबाल्डी, जे. (2008). एमएलए स्टाइल मैनुअल एंड गाइड टू स्कॉलरली पब्लिशिंग (नं. C10 45)।

9. गाइड, एम. एस. शिकागो स्टाइल गाइड।

10. हार्वे, जी. (2015). एक्सेल 2016 ऑल-इन-वन फॉर डमीज। जॉन वाइली एंड सन्स।

11. हीथ, एस. बी., & स्ट्रीट, बी. वी. (2008). ऑन एथ्नोग्राफी: अप्रोचेस टू लैंग्वेज एंड लिटरेसी रिसर्च। लैंग्वेज एंड लिटरेसी (एनसीआरएलएल)। टीचर्स कॉलेज प्रेस। 1234 एम्स्टर्डम एवेन्यू, न्यूयॉर्क, एनवाई 10027।

12.http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/12164/11/11_chapter%204.pdf

13.http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/29975/12/12_chapter%205.pdf

14.http://www.chicagomanualofstyle.org/home.html

15.http://www.citethisforme.com/guides

16.https://owl.english.purdue.edu/owl/resource/747/01/

17.https://web.library.uq.edu.au/research-tools-techniques/referencing-style-guides

18. जाफरी, जे. (1989). एन इंग्लिश लैंग्वेज लिटरेचर रिव्यू। टूरिज्म ऐज अ फैक्टर ऑफ चेंज: सोशियोकल्चरल स्टडी, 17-60।

19. कोठारी, सी. आर. (2004). रिसर्च मेथडोलॉजी: मेथड्स एंड टेक्निक्स। न्यू एज इंटरनेशनल

Sandhya
26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

1.3 पाठ्यक्रम - तृतीय

विषय-विशेष पाठ्यक्रम

(Subject specific course)

साहित्याध्ययन- (Theory)

यूनिट-04 **क्रेडिट-04** **समय - 60 घंटे**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के बौद्धिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक ज्ञान के साथ-साथ भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा के प्राचीन व आधुनिक वैदिक विद्वानों के विचारों से अवगत कराना है।

2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रामायण, महाभारत व पुराण साहित्य में संरक्षित भारत की विरासत का सांस्कृतिक ऐतिहासिक, राजनैतिक, शैक्षिक व आर्थिक मूल्यों का सम्पूर्ण चित्रण प्रस्तुत करना है। जिससे वे इस विषय पर शोध कार्य करने को प्रवृत्त हों ।

3. इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत काव्य के मूल ग्रन्थों से परिचित कराना है। इन ग्रन्थों के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत काव्य परम्परा एवं उसके विविध विधाओं से परिचित होंगे, साथ ही साथ काव्य एवं कवियों पर हुए शोध कार्यों के प्रति उनमें आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित होगी।

4. संस्कृत काव्य परम्परा की अक्षुण्ण अमृतधारा निरन्तर स्रावित हो रही है। यह ज्ञानगंगा सदैव ही साहित्य प्रेमियों को अपनी ज्ञानधारा से अवगाहन हेतु प्रेरित करती है इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक संस्कृत लेखन व साहित्य साधकों की विशिष्ट शैली से परिचित कराना है इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी नवीन संस्कृत ग्रन्थों का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

5. व्याकरण प्रत्येक भाषा का प्राण है तथा भाषा की संरचना का सिद्धान्त भी। यदि नियमों द्वारा भाषा को स्थित न रखा जाए तो भाषा की उपादेयता, महता और उसका स्वरूप ही नष्ट हो जाएगा। भाषा की परिवर्तनशीलता को अवरूद्ध करने के लिए ही भाषा पर व्याकरण का नियंत्रण किया गया है। भाषा विज्ञान ही भाषा की शुद्धता का आधार स्तंभ है। व्याकरण और भाषा विज्ञान द्वारा ही विद्यार्थियों का मार्जन होता है। इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य शोधार्थियों को व्याकरण और भाषा विज्ञान के प्रमुख ग्रन्थों से परिचित कराने के साथ ही व्याकरण शास्त्र

Sandhya 26-05-2021

Scanned with OKEN Scanner

और भाषा विज्ञान की वैज्ञानिकता एवं मूल तथ्यों से अवगत कराना है। छात्र अष्टाध्यायी सूत्रों के अनुप्रयोगात्मक ज्ञान से अवगत होंगे ।

(6) संस्कृत विश्व की प्राचीनतम् भाषा है। इसे समग्र भाषाओं की जननी होने का श्रेय प्राप्त है क्योंकि विश्व के प्रायः अधिकांश शब्द संस्कृत भाषा से ही निःसृत है। इसके द्वारा शोधार्थियों को यह उपदिष्ट करना है कि इसकी महता अन्य भाषाओं में अधिक है। यह सनातन होने के साथ-साथ वैज्ञानिक भी है। ऐसी वैज्ञानिक भाषा के अध्ययन से विद्यार्थियों के मस्तिष्क के विकास के साथ-साथ अन्य विषयों के साथ इसके प्रभाव को जानकर अपनी भाषा के प्रति उनमें सम्मान का भाव जागृत होगा तथा शोध हेतु तुलनात्मक अध्ययन की क्षमता विकसित होगी।

7. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रणेताओं ने काव्य के प्रयोजनों को अपने-अपने ढंग से समझाया है। साहित्य जीवन की अभिव्यक्ति है और जीवन में साहित्य का अभिन्न सम्बन्ध है। प्रकृत पाठ्यक्रम का उद्देश्य शोधार्थियों की काव्य के मूल में निहित शब्द, अर्थ, शब्दार्थ सम्बन्ध, रस, रीति, गुण, दीप, अलंकार प्रभृति विभित्र काव्य तत्वों में सम्यक रूपेण अवगत कराना है।

8. इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य साहित्य के विद्यार्थियों को नाट्यशास्त्रीय सिद्धान्तों में परिचित कराना है।

यूनिट- I

वेद एवं दर्शन साहित्य

पाठ्यक्रम विवरण: -

(क) संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद एवं वेदांग साहित्य का सामान्य परिचय।

(ख) भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय

(ग) आस्तिक दर्शन- सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, एवं वेदांत

नास्तिक दर्शन- बोद्ध, जैन,एवं चार्वाक,

(घ) वैदिक साहित्य एवं भारतीय दर्शन के प्रमुख ग्रन्थों पर हुए शोध कार्यों का सर्वेक्षण ।

Sandhya 26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

यूनिट- II

व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम विवरण:

(क) निरुक्त प्रथम, द्वितीय, सप्तम अध्याय

(ख) वैदिकस्वर- उदात्त, अनुदात्त, स्वरित

(ग) संज्ञा, सन्धि, कारक प्रत्यय (कृदन्त, तद्धित, स्त्री) एवं समास का सामान्य अध्ययन।

(घ) भाषा का अर्थ, भारतीय भाषाओं की उत्पत्ति एवं विकास, परिवर्तन, वर्गीकरण, पाली, प्राकृत एवं अपभ्रंश भाषाओं का सामान्य परिचय।

(ड) व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के प्रमुख ग्रन्थों पर हुए शोध कार्यों का सर्वेक्षण ।

यूनिट- III

संस्कृत काव्यशास्त्र एवं काव्य

पाठ्यक्रम विवरण:-

(क) संस्कृत काव्य परम्परा -विधाएं उद्भव एवं विकास

(ख) काव्य शास्त्र के अन्तर्गत काव्य तत्वों का अध्ययन ।

(ग) प्रमुख काव्यों का अनुशीलन - रामायण, महाभारत, रघुवंशम्, नैषधीयचरितम्, शिशुपालवधम् , मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, कादम्बरी , उत्तरसीताचरितम् , क्षत्रपतिसाम्राज्यम् ।

(घ) मनुस्मृति प्रथम एवं द्वितीय अध्याय तथा याज्ञवल्क्यस्मृति- व्यवाहाराध्याय

(ड) संस्कृत काव्यों पर हुए शोध कार्यों का सर्वेक्षण ।

Sandhya
26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

यूनिट-IV

लिपि, नाट्यशास्त्र एवं अन्तर्विषयात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम विवरण:

(1) पाण्डु लिपि का सामान्य अध्ययन

(2) पाण्डुलिपि लेखन के चरण पाण्डुलिपि वंशवृक्ष पाण्डुलिपि के अभिलेखागार ।

(3) नाट्यशास्त्र परम्परा का सामान्य अध्ययन ।

(4) नाट्यशास्त्रीय पदार्थ का अध्ययन (दशरूपक के आधार पर)

(5) संस्कृत के अन्य विषयों से अन्तःसम्बन्ध-

(1) संस्कृत एवं प्रबन्धन (2) संस्कृत और विज्ञान (3) संस्कृत एवं मनोविज्ञान (4) संस्कृत एवं दर्शन शास्त्र (5) संस्कृत एवं कला (6) संस्कृत एवं समाज अध्ययन

(6) पाण्डुलिपि एवं नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थों एवं सिद्धान्तों पर हुए शोध कार्यों का सर्वेक्षण ।

References -

1. वैदिक साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय ।

2. वैदिक साहित्य का इतिहास- पारसनाथ द्विवेदी।

3. वैदिक देवता उद्भव और विकास- राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

4. भाषा विज्ञान- डा० शिव बालक द्विवेदी

5. लघु सिद्धांत कौमुदी - महेश सिंह कुशवाहा

6. निरुक्तम् डॉ0 उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

7. पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी

8. पुराण समीक्षा - हरि नारायण दुवे, II.D. आर. इलाहबाद

Sandhya 20-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

9. संस्कृत साहित्य का इतिहास- वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा, वाराणसी

10. जयदेव वेदालंकार , वैदिक साहित्य का इतिहास,भारतीय विद्या प्रकाशन ,2018

11. संस्कृत साहित्य बीसवीं शदी- डॉ0 राधा वल्लभ त्रिपाठी

12. संस्कृत साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा - डॉ॰ रेखा शुक्ला

13. आधुनिक संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास- आचार्य वलदेव उपाध्याय

14. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास- देवर्षि कल्पनाथ शास्त्री

15. संस्कृत वाङ्घय विज्ञान- सम्पादिका, डॉ0 पुष्पा मलिक, वाराणसी।

16. संस्कृत में विज्ञान एवं वैज्ञानिक तत्व- संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

17. विज्ञान और दर्शन- एम॰एन॰ राय अनुवाद नन्दकिशोर आचार्य ।

18- वर्मा, सत्यकाम - संस्कृत व्याकरण का उद्भव एवं विकास ,दिल्ली

19. संस्कृत वांग्मय में मानव व्यक्तित्व- प्रो. देवेन्द्र कुमार, राजमंगल प्रकाशन, दिल्ली

20. भाषा विज्ञान- डा॰ भोलानाथ तिवारी

21. संस्कृत भाषा की संरचना - डा॰ डी॰डी॰ शर्मा

22. भाषा विज्ञान- डा॰ चक्रधर कर्णाटक

23. सामान्य भाषा विज्ञान- डा. कपिलदेव द्विवेदी

24. संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास- तीन भाग- युधिष्ठिर मीमांसक

25. व्याकरण शास्त्र का उद्भव और विकास- सत्यकाम वर्मा, दिल्ली।

26. भारतीय दार्शनिक समस्यायें- शर्मा नन्दकिशोर।

27. भारतीय दर्शन- डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन्। -

28. भारतीय धर्म दर्शन- आचार्य बलदेव उपाध्याय ।

29. भारतीय दर्शन की रूपरेखा- प्रो॰ हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा।

30. काव्य प्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर।

Sandhya 26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

31. धन्न्यालोक- आचार्य विश्वेश्वर।

32. संस्कृत चिन्तन परम्परा में लक्षणा विमर्श- डॉ० अनिल कुमार सिन्हा

33. काव्यालंकारकारिका- प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी।

34. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास- प्रो० रेवा प्रसाद द्विवेदी ।

35. मनुस्मृति - पण्डित रामेश्वर भट्ट- चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी

36. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास- पी०वी० काणे।

37. याज्ञवल्क्य स्मृति - डॉ0 गंगासागर राय- चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी

1.4 पाठ्यक्रम - चतुर्थ

कंप्यूटर अनुप्रयोग पाठ्यक्रम

(Computer Application course)

यूनिट-04 **क्रेडिट-02** **समय - 30 घंटे**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी एवं अन्य भाषाओं में कंप्यूटर पर लेखन-कौशल विकसित करना। शोध-सामग्री के डिजिटल संग्रह एवं वर्गीकरण की जानकारी देना। ई-पुस्तकालय, ई-जर्नल और शोध-स्रोतों के उपयोग में दक्ष बनाना। शोध-लेखन, उद्धरण एवं संदर्भ-निर्माण की डिजिटल पद्धति सिखाना। साहित्यिक शोध में डिजिटल साधनों का व्यावहारिक उपयोग कराना। शोध-प्रबंध का मानक प्रारूपण , मौलिकता परीक्षण (Plagiarism Awareness)

Sandhya 26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

यूनिट- I

साहित्य-अनुसंधान में कंप्यूटर का परिचय

पाठ्यक्रम विवरण:

कंप्यूटर का सामान्य परिचय एवं साहित्य-अध्ययन में उसका महत्व , हिंदी टंकण (Unicode) एवं देवनागरी लेखन , हिंदी फॉन्ट, यूनिकोड एवं की-बोर्ड (Inscript / Remington / Phonetic) , फाइल निर्माण, संग्रहण एवं दस्तावेज़ प्रबंधन , साहित्यिक सामग्री का डिजिटल संकलन एवं सुरक्षित भंडारण

यूनिट- II

इंटरनेट एवं साहित्यिक शोध-संसाधन

पाठ्यक्रम विवरण:

इंटरनेट का परिचय एवं शोध में उपयोग , सर्च इंजन का शैक्षणिक उपयोग , Google Scholar का उपयोग , INFLIBNET, Shodhganga, e-PG Pathshala , डिजिटल पुस्तकालय (Digital Library of India, Internet Archive) , ई-पत्रिकाएँ, ई-जर्नल एवं ऑनलाइन शोध सामग्री , शोध सामग्री की प्रामाणिकता का परीक्षण

यूनिट- III

शोध-लेखन एवं संदर्भ-प्रबंधन

पाठ्यक्रम विवरण:

MS Word में शोध-लेखन , हिंदी में टंकण, संपादन एवं Formatting , Footnote, Endnote, Page Number, Header–Footer , Table of Contents (अनुक्रमणिका) बनाना , उद्धरण (Quotation) एवं संदर्भ (Citation) की पद्धति , Bibliography / संदर्भ ग्रन्थ सूची निर्माण , शोध-प्रबंध का प्रारूपण (Formatting of Thesis)

Sandhya
26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner

यूनिट-IV

साहित्यिक शोध के आधुनिक डिजिटल उपकरण

पाठ्यक्रम विवरण:

PDF, e-Book एवं स्कैन सामग्री का उपयोग , OCR (Optical Character Recognition) का सामान्य परिचय , Google Docs एवं Cloud Storage , Zotero / Mendeley द्वारा संदर्भ-संग्रह , Plagiarism Check का सामान्य परिचय , शोध में डिजिटल नैतिकता एवं कॉपीराइट

References -

1. **डॉ. विनय मोहन शर्मा** — *अनुसंधान की प्रविधि* — साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
2. **डॉ. राजमल बोरा** — *शोध प्रविधि* — राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. **डॉ. विजयपाल सिंह** — *हिन्दी अनुसंधान* — लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. **C. R. Kothari** — *Research Methodology: Methods and Techniques* — New Age International Publishers, New Delhi.
5. **P. K. Sinha** — *Computer Fundamentals* — BPB Publications, New Delhi।
6. **INFLIBNET Centre** — *Information and Library Network* — UGC, Gandhinagar, Gujarat.
7. **Shodhganga** — *A Reservoir of Indian Theses* — INFLIBNET Centre, UGC, Gandhinagar.
8. **Google Scholar** — *Academic Search Engine* — Google LLC, California, USA.
9. **e-PG Pathshala** — *UGC e-Content Courseware* — Ministry of Education / UGC, New Delhi.
10. **Zotero** — *Reference Management Software* — Corporation for Digital Scholarship, USA.

26-05-2026

Scanned with OKEN Scanner